महत्वपूर्ण एवं खास

छत्तीसगढ़ में अब तक 762.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2024 से अब तक राज्य में 762.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2024 से आज 14 अगस्त सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1698.3 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 389.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर जिले में 709.2 मिमी, बलरामपुर में 1060.9 मिमी, जशपुर में 580.4 मिमी, कोरिया में 749.3 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 756.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। इसी प्रकार, रायपुर जिले में 658.7 मिमी, बलौदाबाजार में 790.9 मिमी, गरियाबंद में 735.8 मिमी, महासमुंद में 545.3 मिमी, धमतरी में 706.8 मिमी, बिलासपुर में 695.6 मिमी, मुंगेली में 734.2 मिमी, रायगढ़ में 638.1 मिमी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 419.4 मिमी, जांजगीर-चांपा में 720.6 मिमी, सक्ती 611.8 कोरबा में 965.4 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 715.2 मिमी, दुर्ग में 486.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। कबीरधाम जिले में 599.8 मिमी, राजनांदगांव में 813.8 मिमी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़चौकी में 916.1 मिमी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 560.6 मिमी, बालोद में 836.5 मिमी, बेमेतरा में 434.5 मिमी, बस्तर में 839.8 मिमी, कोण्डागांव में 786.5 मिमी, कांकेर में 1005.9 मिमी, नारायणपुर में 914.2 मिमी, दंतेवाड़ा में 999.2 मिमी और सुकमा जिले में 1075.6 मिमी औसत वर्षा एक जून से अब तक रिकार्ड की गई।

40 तालाब, 40 गार्डन, लगभग 10 चौंक चैराहों के सौंदर्यीकरण कार्य का 5 वर्ष संचालन एवं संधारण कार्य करने की तैयारी

रायपुर (आरएनएस)। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के अंतर्गत विकसित किए गए 40 गार्डन एवं 40 तालाबों तथा लगभग 10 चैक-चैराहों का सौंदर्यीकरण कार्य किया गया था, जिसका पूर्व में कंस्ट्रक्शन एजेंसी द्वारा निर्धारित समय तक संचालन संधारण किया गया। वर्तमान में उन सभी कार्यो की भविष्य में उपयोगिता को देखते हुए 5 वर्ष संचालन एवं संधारण के लिए निविदा आमंत्रित की गई है, जिसमे चयनित एजेंसी द्वारा आवश्यकतानुसार संधारण कार्य करते हुए मैन पॉवर प्रदाय कार्य भी किया जाएगा। कार्य की लागत राशि 521.92 लाख है।

राज्यपाल रमेन डेका ने निर्माणाधीन राजभवन का निरीक्षण किया

रायपुर (आरएनएस)। राज्यपाल रमेन डेका ने आज यहां नवा रायपुर सेक्टर 24 में निर्माणाधीन राजभवन का निरीक्षण किया। इस अवसर पर प्रदेश की प्रथम नागरिक रानी डेका काकोटी भी मौजूद थी। राज्यपाल ने निर्माणाधीन राजभवन में बनाए जा रहे राज्यपाल निवास, दरबार हाल, राजभवन के सचिवालय भवन, ए.डी.सी. निवास, स्टाफ क्लिनिक, स्टाफ क्वाटर, गार्ड रूम, सिक्यूरिटी ऑफिस सहित अन्य निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण किया। लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने राज्यपाल महोदय को राजभवन के निर्माणाधीन कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। राज्यपाल ने निरीक्षण के दौरान राजभवन परिसर को हरा-भरा रखने के लिए वृक्षारोपण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अच्छी प्रजाति के वृक्षों को लगाने के निर्देश दिए। जिससे राजभवन परिसर शीघ्र हरियाली युक्त हो सके। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव यशवंत कुमार सहित लोक निर्माण विभाग एवं राजभवन में पदस्थ अन्य अधिकारी मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ के 25 पुलिस अधिकारी, पुलिस वीरता, विशिष्ट सेवा एवं सराहनीय सेवा पदक से होंगे सम्मानित

❐ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, गृह मंत्री और पुलिस महानिदेशक ने सभी को दी शुभकामनाएं

रायपुर। आरएनएस

भारत शासन, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली से प्राप्त जानकारी के अनुसार स्वतंत्रता दिवस, 2024 के अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति द्वारा छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग के 25 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को वीरता पदक, विशिष्ट सेवा पदक एवं सराहनीय सेवा पदक से विभूषित किये जाने की घोषणा की गई है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, गृहमंत्री विजय शर्मा तथा पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा ने पदक से विभूषित पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

पुलिस वीरता पदक - 15

शिशुपाल सिन्हा, निरीक्षक, जिला बालोद, निर्मल जांगड़े, उप निरीक्षक, हाल निरीक्षक, जिला कांकेर, अमैया चिलमुल, प्रधान आरक्षक, जिला बीजापुर, फुल्ला गोपाल, प्रधान आरक्षक, जिला बीजापुर, तुलाराम कुहरामी, प्रधान आरक्षक, जिला बीजापुर, गोपाल बोड्डु, आरक्षक, जिला बीजापुर, हेमन्त एण्ड्रिक, आरक्षक, जिला बीजापुर, मोती लाल राठौर, आरक्षक, जिला बीजापुर, गोविन्द सोढ़ी, आरक्षक, जिला बीजापुर, सुकारू राम, आरक्षक, जिला बीजापुर, मुन्ना कड़ती, आरक्षक, जिला बीजापुर, कृष्णा गाली, आरक्षक, जिला बीजापुर, भीमा, आरक्षक, जिला बीजापुर, धनीराम कोरसा, आरक्षक, जिला बीजापुर, कृष्णा ताती, आरक्षक, जिला बीजापुर।

विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक - 01

आनंद सिंह रावत, सहायक सेनानी, पीटीसी बोरगांव।

सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक - 09- सुशील चंद्र द्विवेदी, पुलिस महानिरीक्षक, अअवि, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर, राहुल भगत, सचिव, माननीय मुख्यमंत्री, छ.ग.शासन, रायपुर, राजकुमार मिंज, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, पुलिस प्रशिक्षण शाला, माना-रायपुर, गुरजीत सिंह ठाकुर, उप पुलिस अधीक्षक, जिला रायपुर, प्रशांत श्रीवास्तव, सहायक सेनानी, माननीय मुख्यमंत्री सुरक्षा, वीआईपी सुरक्षा, रायपुर, प्रभु लाल कोमरे, कंपनी कमाण्डर, 19वीं वाहिनी, छसबल, जगदलपुर, द्वारिका प्रसाद मिश्रा, उप निरीक्षक, जिला बस्तर, धरम सिंह नरेटी, प्रधान आरक्षक, जिला सुकमा, रविन्द्र कुमार ठाकुर, प्रधान आरक्षक, जिला कांकेर।

घर-घर तिरंगा अभियान में शहरवासी उत्साह से ले रहे भाग

रायपुर। आरएनएस

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील पर राज्य सरकार के सहयोग से स्वतंत्रता दिवस की 78वां वर्षगाठ के अवसर पर शहर में घर-घर तिरंगा अभियान को अच्छी सफलता मिल रही है। स्वयं राजधानी वासी अपने-अपने घरों में कार्यालयों में कामकाजी संस्थानों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लगााकर देश की आजादी में अपने प्राण अर्पित कर देश को स्वतंत्र कराने वाले शहीदों को मार्मिक श्रद्धांजलि अर्पित कर अपनी देशभक्ति का परिचय दे रहे हैं।

मंगलवार शााम 5 बजे शहर में घर-घर तिरंगा अभियान को गति देने के लिए विशाल बाइक रैली का आयोजन किया गया। जिसमें देश की युवा शक्ति ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया। आज एवं कल शहर के विभिन्न संगीत संगठनों द्वारा एक शाम शहीदों के नाम का आयोजन भी शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर आयोजित किया गया है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी घड़ी चौक में एक शाम शहीदों के नाम का आयोजन योगेश अग्रवाल एवं उनके साथियों द्वारा गुरूवार शाम 7 बजे आयोजित किया गया है।

न्यायधानी में 13 साल बाद फांसी की सजा : पत्नी व तीन बच्चों की हत्या करने वाले युवक को दशम सत्र न्यायाधीश ने सुनाई फांसी की सजा

बिलासपुर। आरएनएस

अपनी पत्नी की हत्या करने के बाद तीनों बच्चों को मौत की नींद सुलाने वाले युवक को दशम सत्र न्यायाधीश ने जान निकलने तक फंदे पर लटकाने की सजा सुनाई है। बिलासपुर जिले में 13 साल बाद किसी व्यक्ति को मृत्युदंड की सजा सुनाई गई है। इससे पहले वर्ष 2011 में रतनपुर निवासी व्यक्ति को मृत्युदंड की सजा सुनाई गई थी। इस मामले में पुलिस और अदालत की तत्परता भी सामने आई है, जिसके चलते इस बड़े और बहुचर्चित मामले में अभियुक्त को उसके किए की सजा मिलने जा रही है। घटना व आरोपी की गिरफ्तारी के तीन माह के भीतर ही पुलिस ने चालान पेश कर दिया था। वहीं सात माह बाद ही जज ने अपना फैसला सुनाया है। मामले में न्यायालय ने 10 हजार रुपये का अर्थदंड और इसे नहीं पटाने पर तीन माह कारावास की सजा का भी आदेश दिया है। आरोपित उमेंद्र केंवट को फांसी के फंदे तक पहुंचाने में शासन की ओर से पैरवी करने वाले अतिरिक्त लोक अभियोजक लक्ष्मीकांत तिवारी और अतिरिक्त लोक अभियोजक अभिजीत तिवारी की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। वीहं पुलिस की जांच में कई और तथ्य भी सामने आए। इसके अनुसार पत्नी व तीनों बच्चो की हत्या करने के बाद उमेंद्र ने भी आत्महत्या की कोशिश की थी। वह रस्सी का फंदा बनाकर झूल गया था, लेकिन रस्सी टूटने से वह आत्महत्या करने में असफल रहा। फिर दोबारा फांसी लगाने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। इसके बाद उसने खुद मस्तूरी थाने पहुंचकर सरेंडर करते हुए अपनी पत्नी व तीनों बच्चों की हत्या की सूचना दी थी।

मार्च के अंत में चालान

एक जनवरी की रात को पत्नी व बच्चों की हत्या करने के बाद आरोपित उमेंद्र केंवट दो जनवरी को मस्तूरी थाने पहुंचा था। सूचना मिलने के बाद मस्तूरी पुलिस मौके पर पहुंची व शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। आरोपित के अलावा उसके स्वजन समेत अन्य का बयान दर्ज किया। कई तरह के साक्ष्य जुटाए गए और अंतत: मार्च के आखिर में अदालत में चालान पेश कर दिया।

2011 में रतनपुर निवासी को सुनाई गई थी फांसी की सजा

रतनपुर में फरवरी 2011 में मनोज सूर्यवंशी ने पड़ोसी के तीन बच्चों की हत्या कर शव को खेत में फेंक दिया था। हत्या की जांच के दौरान पाया कि आरोपित मनोज की पत्नी सुमित बाई अपने पडोसी शिवलाल धीवर के छोटे भाई के साथ भाग गई थी। इससे मनोज सूर्यवंशी शिवलाल से दुश्मनी रखने लगा। उसने फरवरी 2011 में दर्रीपारा स्थित स्वामी विवेकानंद स्कूल से लौट रहे शिवलाल के तीनों बच्चों विजय धीवर (आठ वर्ष), अजय धीवर (छह वर्ष) व साक्षी धीवर (चार वर्ष) की हत्या कर दी। हालांकि फांसी की सजा को सुप्रीम कोर्ट ने आजीवन कारावास में बदल दिया था।

मामूली बात पर नाबालिग की हत्या करने वाला आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

कवर्धा। आरएनएस

13 अगस्त की शाम 5 बजे आसपास नाबालिक मृतिका उम्र 15 वर्ष जो हाई स्कूल बम्हनी में कक्षा 10 वी में पढ़ाई करती थी, स्कूल की छुट्टी होने पर सहेलियों के साथ अपने घर जा रही थी की रास्ते में इतवारी के घर पास आरोपी विक्की कौशिक उर्फ जग्गू पिता जागेश्वर कौशिक उम्र 19 वर्ष निवासी बम्हनी द्वारा मृतिका को झिटी (पतली दुबली लडक़ी) बोला तो उसने आरोपी को ऐसा बोलने से मना की, जिस पर आरोपी विक्की कौशिक द्वारा पास में पड़े लकड़ी के डंडे से मृतिका के सिर पर वार कर दिया, जिससे मृतिका घायल हो गई परिजनों द्वारा इलाज के लिए रूपजीवन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था जहा ईलाज दौरान उसकी फौत हो गई है। प्रकरण में आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है आरोपी के विरुद्ध पुलिस चौकी बाजारचारभाटा थाना कवर्धा में धारा 103(1) बीएनएस हत्या का मामला दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

महादेव सट्टा मामले में ईडी के हाथ लगे दर्जनों मोबाइल, 1500 सिम कार्ड

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में एंटी करप्शन ब्यूरो ने महादेव सट्टा के ओटीपी सेंटर्स पर हाल ही में की गई कार्रवाई में 1500 सिम कार्ड और 50 कीपेड मोबाइल जब्त किए हैं। पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के बाद एसीबी की टीम ने बिहार और भिलाई में रेड मारी थी। इन सभी नंबरों और उनसे जुड़े व्हाट्सएप एकाउंट्स को बंद किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में महादेव बैटिंग अभी काफी सुर्खियों में है। कई अफसर, सफेदपोश नेता सहित कई लोग श्रष्ठ के रडार पर हैं।

बता दें कि महादेव बुक के ओटीपी गुरुप से जुड़े तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर पुलिस ने रिमांड पर लिया था। इनसे पहले 100 से अधिक मोबाइल, लैपटॉप और 500 से अधिक सिम कार्ड जब्त किए गए थे। पूछताछ के दौरान प्राप्त जानकारी के आधार पर ब्यूरो की टीम ने रोहतास (बिहार) और भिलाई में रेड मारी थी। आरोपियों की निशानदेही पर अब तक महादेव बुक से जुड़े 1500 से अधिक सिम कार्ड और 50 कीपेड मोबाइल जब्त किए गए हैं। इन सिम कार्डों का विवरण भी प्राप्त कर लिया गया है। महादेव बैटिंग एप से करोड़ों की कलाई कमाई का लगातार खुलासा हो रहा है। इनमें से कई सिम कार्ड महादेव बुक और अन्य ऑनलाइन सट्टा प्लेटफॉर्म के प्रमोशनल नंबरों के रूप में पाए गए हैं। इन नंबरों और संबंधित व्हाट्सएप एकाउंट्स को डी-एक्टिवेट किया जा रहा है। इसके अलावा, महादेव बुक के विभिन्न पैनल के डिपॉजिट/विड्रॉल ग्रुप से जुड़े नंबरों के व्हाट्सएप एकाउंट्स को भी डी-एक्टिवेट किया गया है।

विभाजन विभीषिका" का दर्द अंग्रेजों क़े अत्याचार से अधिक पीड़ादायी था : मंत्री टंक राम वर्मा

सारंगढ़ बिलाईगढ़

खेलकूद एवं युवा कल्याण, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री तथा जिले क़े प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा सारंगढ़ क़े एक निजी होटल में आयोजित "विभाजन विभीषिका" क़े कार्यक्रम में शामिल हुए। मंत्री वर्मा ने कहा कि देश क़े विभाजन से जो राजा था वो रंक हो गया। 1947 में जब हम आजादी का जश्न मना रहे थे तब देश का एक हिस्सा दर्द सह रहा था। विभाजन के दौरान कितनी बड़ी पीड़ा हुआ, कितना बड़ा दर्द हुआ, धन दौलत घर द्वार छोड़े, वह अलग विषय था, लेकिन महिलाओं पर उस समय किया गया अत्याचार अमानवीय था। अंग्रेज के अत्याचार के सामने वह अत्याचार कुछ नहीं था। बंटवारे के बाद सबसे ज्यादा अत्याचार महिलाओं के ऊपर हुआ उनका अपहरण हुआ। इस आजादी के इतिहास को हम पढ़े तो इतिहास बताता है कि 10 लोगों ने एक टेबल पर बैठकर भारत का भाग्य लिख दिया। भारत को धर्म क़े आधार पर दो टुकड़े कऱ दिए। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय क़े नेतृत्व में विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ बनेगा। इस अवसर पर सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले क़े नागरिकगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर लगातार हो रही है चिकित्सा अधिकारियों की पदस्थापना

❐ स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की अनुशंसा पर 15 चिकित्सा अधिकारियों को मिली नियुक्ति

❐ चिकित्सकों की पदस्थापना से बेहतर हो रही है स्वास्थ्य व्यवस्था

रायपुर। आरएनएस

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर राज्य में लगातार विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं चिकित्सा अधिकारियों की पदस्थापना की जा रही है। इसी कड़ी में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की अनुशंसा पर 15 चिकित्सा अधिकारियों (एनएचएम संविदा) की नियुक्ति की गयी है। इन चिकित्सा अधिकारियों की पदस्थापना से स्थानीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार होगा और लोगों को ज्यादा से ज्यादा सहूलियत मिलेगी।

पदस्थ किए गए चिकित्सा अधिकारियों में डॉ. अंजली खलखो शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर, रेल्वे लोको लाईन वार्ड नं. 01, डॉ. इरनुस खलखो शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर, मोहर पारा एफ.सी. आई. गोदाम वार्ड 19, मनेन्द्रगढ़, डॉ. विकास भास्कर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र-चिरमिरी, डॉ. अमन दीप कौर, शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर, हल्दीबाड़ी (चिरमिरी), डॉ. सीताकुमारी, शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर, साजापहाड़ (चिरमिरी), डॉ. व्ही. अस्मिता राव, शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर, सांस्कृति भवन दुर्गा पंडाल, खोंगापानी, डॉ. प्रिंस गुप्ता, शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर, झगराखाण्ड तथा डॉ. हर्षा सिंह की पदस्थापना शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र-डुमनहील, जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में की गयी है।

इसी तरह से डॉ. मृग्या वर्तिका सिंग, शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर, भट्ठी वार्ड नं. 02, बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया, डॉ. तरूवर सिंह, सामु0 स्वा0 केन्द्र- प्रेमनगर, जिला सूरजपुर, डॉ. अनुराग सिंह सामु0 स्वा0 केन्द्र- रामानुजनगर, जिला सूरजपुर , डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह सामु0 स्वा0 केन्द्र बचरापोडी, जिला- कोरिया, डॉ. ध्यानू राम सामु स्वास्थ्य केन्द्र-अभनपुर, जिला रायपुर, डॉ पुष्पराज सिंह, जिला अस्पताल जिला-गौरेला-पेण्ड्रा मरवाही तथा डॉ. अंकित बघेल की पदस्थापना सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र-मरवाही, जिला-गौरेला-पेण्ड्रा मरवाही में की गयी है।

बेहद सरल सहज व्यक्तित्व के धनी स्व. दिलीप सिंह जूदेव हमेशा लोगों के जेहन में रहेंगे जिंदा - मुख्यमंत्री

❐ मुख्यमंत्री ग्राम किलकिला में स्वर्गीय कुमार दिलीप सिंह जूदेव के पुण्य तिथि पर आयोजित संस्कृति गौरव महासम्मेलन एवं अभिनंदन समारोह में हुए शामिल

❐ नगर पंचायत पत्थलगांव को नगरपालिका बनाने की घोषणा

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज पत्थलगांव तहसील के ग्राम किलकिला में पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्वर्गीय कुमार दिलीप सिंह जूदेव के पुण्य तिथि के अवसर पर आयोजित संस्कृति गौरव महासम्मेलन एवं अभिनंदन समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम में उन्होंने नगर पंचायत पत्थलगांव को नगरपालिका बनाने सहित कई घोषणाएं की। सांसद बृजमोहन अग्रवाल, सांसद राधेश्याम राठिया, विधायक गोमती साय और रायमुनी भगत, किलकिलाधाम के मुख्य पुजारी 1008 स्वामी कपिलदास जी महाराज भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने सभा में मौजूद साधु, संत और विशाल जनसमूह के बीच स्वर्गीय जूदेव का पुण्य स्मरण करते हुए कहा की वे मेरे राजनैतिक गुरु थे। मैंने 25 साल से अधिक समय तक राजनीति में उनके साथ रहकर काम किया। वे बेहद सरल हृदय के व्यक्ति थे, सभी से अपनेपन के साथ मिलते थे। उनकी किसी के साथ नाराजगी नहीं रही। जिससे भी एक बार मिल लेते थे उसका नाम कभी नहीं भूलते थे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्वर्गीय जूदेव का डील-डौल और व्यक्तित्व सहज ही लोगों को आकर्षित करता था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार मोदी की गारंटी को तेजी से पूरा कर रही है। 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से किसानों को धान की कीमत दी जा रही है। छत्तीसगढ़ की महिलाओं को महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रति माह 1000 रूपए की सम्मान राशि दी जा रही है। तेंदूपत्ता संग्राहकों को प्रति मानक बोरा 4000 से बढ़ाकर 5500 रूपए किया गया है।

कार्यक्रम में सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव को याद करते हुए कहा की उनकी ऊंगली पकडक़र मैने राजनीति का पाठ सीखा है। वे एक महापुरुष, कर्मवीर और योद्धा थे। मेरा सौभाग्य है की उनके साथ लंबे समय तक काम सीखने का अवसर मिला। कार्यक्रम को विधायक गोमती साय, गहिरा गुरु आश्रम के पुजारी बभ्रुवाहन जी महाराज ने भी संबोधित किया।

मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम में जनहित में कई घोषणाएं की। जिसमें पत्थलगांव में स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव की विशाल प्रतिमा का निर्माण, हर वर्ष उनकी जयंती भव्य तरीके से मनाने की घोषणा, किलकिलेश्वर महादेव परिसर में प्रवेश द्वार बनाने के साथ ही बाउंड्रीवाल, सौंदर्यीकरण, परिसर में सोलर लाइट लगाने सहित गौशाला के उन्नयन की घोषणा, नगर पंचायत पत्थलगांव को नगरपालिका बनाने की घोषणा, मांड नदी में बने एनीकेट में घाट निर्माण और सौंदर्यीकरण की घोषणा, पत्थलगांव के मुख्य चौक से रायगढ़, जशपुर और अंबिकापुर की ओर जाने वाली सडक़ों के 3-3 किलोमीटर तक निर्माण किए जाने की घोषणा, पत्थलगांव में मॉडर्न बस स्टैंड, ऑडिटोरियम बनाने की घोषणा, रेस्ट हाउस का उन्नयन का कार्य, नगर पंचायत कोतबा पीएससी को सीएससी बनाए जाने की घोषणा की।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गर्वनिंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंर्तराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU